कृपया प्रकाशनार्थ **12 फरवरी 2009**

महिलाओं का संकल्प
महंगाई, मंदी लाने वाली कांग्रेस नही चाहिए

मुंबई,गुरुवार : "पिछले पाच वर्षों में गेंहू, चावल जैसी आवश्यक वस्तूओं के दाम दुगुने से ज्यादा बढानेवाली कांग्रेस आपको चाहिए क्या?" ऐसा सवाल जब भाजपा नेता श्री. राम नाईक ने किया तब सैंकडो महिलाओं की "नहीं ! नहीं !" ने सभा गूँज उठी. पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुण्यतिथि के अवसर पर चारकोप में भाजपा वॉर्ड क्र. 18 द्वारा आयोजित महिला सम्मेलन तथा हल्दी-कुंकू समारोह में श्री. राम नाईक बोल रहे थे.

"पंडित दीनदयाल जी ने दरिद्र-नारायण की सेवा की सिख दी. उसके अनुसार चलते हुए वाजपेयी सरकार की हमेशा कोशिश रही की जीवनावश्यक वस्तूएं महंगी न हो," ऐसा कह कर श्री. राम नाईक ने महिलाओं के सामने अनेक वस्तूओं के दामों की तुलना रखी. अब डा. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में रु. 20 प्रति किलो मिलने वाला गेंहू और रु. 22 प्रति किलो से मिलनेवाला चावल, वाजपेयी जी के कार्यकाल में सिर्फ रु.9 व रु. 10 से मिल रहा था. अब रु. 32 से गूड़ और रु. 23 से शक्कर मिलती है, ये दोनो चीजे मई 2004 में केवल रु. 14 को उपलब्ध थी. और तब मात्र रु. 80 प्रति किलो से मिलने वाली चाय पत्ती अब रु. 180 से उपलब्ध है, इसकी भी श्री. नाईक ने याद दिलायी. तब नाराज महिलाओं ने 'महंगाई लानेवाला कांग्रेस नही चाहिए' के जोरदार नारे लगाए. देश में बढ रही महंगाई व मंदी के बारे में विस्तार से जानकारी देनेवाला पत्रक ही श्री. नाईक ने सबको दिया, तथा घर-घर जाकर महिलाओं को जानकारी देने का आवाहन किया.

"सकल घरेलु उत्पादन (GDP) भी घट रहा है. पिछला बजट प्रस्तुत करते समय वित्त मंत्री डा. चिदंबरम् ने घरेलु उत्पादन 10 प्रतिशत करने की घोषणा की थी. किंतु अब वह मात्र 7.1 प्रति शत है. इतनाही नही तो 1.25 करोड लोग बेरोजगार हुए है. ऐसी परिस्थिती में आम आदमी महंगाई का सामना कैसे करेगा?" ऐसा सवाल इस समय बोलते हुए भाजपा उत्तर मुंबई के अध्यक्ष व नगरसेवक श्री. योगेश सागर ने किया. भाजपा महिला मोर्चा, मुंबई की अध्यक्षा श्रीमती विंदा कीर्तिकर ने कहा,"आज भी सबसे अधिक महिला सांसद भाजपा की है. ऐसे में महिलाओं का, परिवार का ख्याल करना है तो महिलाओं ने आनेवाले लोकसभा चुनाव में सक्रिय होना चाहिए." नगरसेविका श्रीमती शैलजा गिरकर का भी इस समय भाषण हुआ. स्थानिक महिला नेता श्रीमती लीना देहेरकर, श्रीमती दर्शना मलकान, श्रीमती सुनिता रेवाळे, आदी इस समय उपस्थित थी.

श्रीमती ज्योती घोलप, श्रीमती संगिता पवार, श्री. योगेश पडवळ, आदी ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया था.

(कार्यालय मंत्री)

संलग्न : महंगाई का पत्रक

11 फरवरी 2009
पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुण्यतिथी

भारतीय जनता पार्टी

कॉंग्रेसका हाथ, महंगाई के साथ

जीवनावश्यक वस्तूओं के बढ़ते दाम

(सभी दाम मुंबई के दुकानों के हैं - संकलक श्री. राम नाईक)

वस्तू	भाजपा शासन में दाम (प्रति किलो रु.) मई 2004	कांग्रेस शासन में दाम (प्रति किलो रु.) 2 फरवरी 2009	वृध्दि (प्रतिशत)
गेंहू	9	20	122 %
चावल	10	22	120 %
शक्कर	14	23	64 %
चाय पावडर	80	180	125 %
तेल	40(प्रति लिटर)	86(प्रति लिटर)	115 %
डालडा	40	60(प्रति लिटर)	50 %
मूंग दाल	24	54	125 %
मसूर दाल	22	68	209 %
चना दाल	25	42	68 %
गुड़	14	32	128 %
बेसन	20	48	140 %
आलू	8	12	50 %
प्याज	6	20	233 %
टमाटर	9	10	11 %
दूध	14 (प्रति लिटर)	28(प्रति लिटर)	100 %
मिट्टी का तेल	18 (प्रति लिटर)	25(प्रति लिटर)	39 %
रसोई गैस	244(प्रति सिलेंडर)	312(प्रति सिलेंडर)	29 %
पेट्रौल	33.15(प्रति लिटर)	44.60(प्रति लिटर)	34 %
डिजल	22.50(प्रति लिटर)	34.50(प्रति लिटर)	53 %

मुंबई का ग्राहक मूल्य निर्देशांक (Consumer Price Index) मा. अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय मई 2004 में 428 था, डा. मनमोहन सिंह की कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में वह बढकर जून 2005 में 442 हो गया, जून 2006 में उसने 468 तक तो जून 2007 में 496 छलांग लगायी. मार्च 2008 में वह 528 तक उछल गया है. यह 23 प्रतिशत वृध्दि है. उसके बाद **अप्रैल 2008 से ग्राहक मूल्य निर्देशांक की घोषणा करनाही सरकार ने बंद किया है.**

दुसरी ओर महंगाई निर्देशांक बढ ही रहा है. 6 सितंबर 2008 को समाप्त सप्ताह में 12.14 प्रतिशत बढा, **जो गत 16 वर्षो में सब से ज्यादा है.** अब महंगाई निर्देशांक भले कम होकर 5.07 हुआ हो, लेकिन वह निकालते समय थोक मूल्य ध्यान में लिए जाते हैं. आम आदमी को अभी भी जीवनावश्यक वस्तूऐं भारी महंगे दामों से खरीदनी पड़ती है इसका भी ख्याल करना चाहिए.

इस के अतिरिक्त तत्कालीन वित्त मंत्री डा. पी. चिदंबरम ने 2008-09 का बजट पेश किया तब सकल घरेलु उत्पादन (जीडीपी) कम से कम दो आकडों में याने 10 प्रतिशत से अधिक होगा ऐसी घोषणा की थी. किंतु वास्तव में इस वर्ष घरेलु उत्पादन केवल 7.1 प्रतिशत रहेगा ऐसी घोषणा अब खुद भारत सरकार ने 9 फरवरी 2009 को की है. इसका मतलब यह है कि अब **देश में मंदी छा रही है. हालात इतने बिगड़ गये हैं कि 1.25 करोड लोग बेरोजगार हुए है** और 25 लाख आधे बेरोजगार हुए है. बताइए, इस परिस्थिती में आम आदमी कमरतोड महँगाई का बोझ कैसे उठा सकता है ?

भाजपा सरकार कैसी थी और अब कांग्रेस सरकार कैसी है? आपही सोचिये !